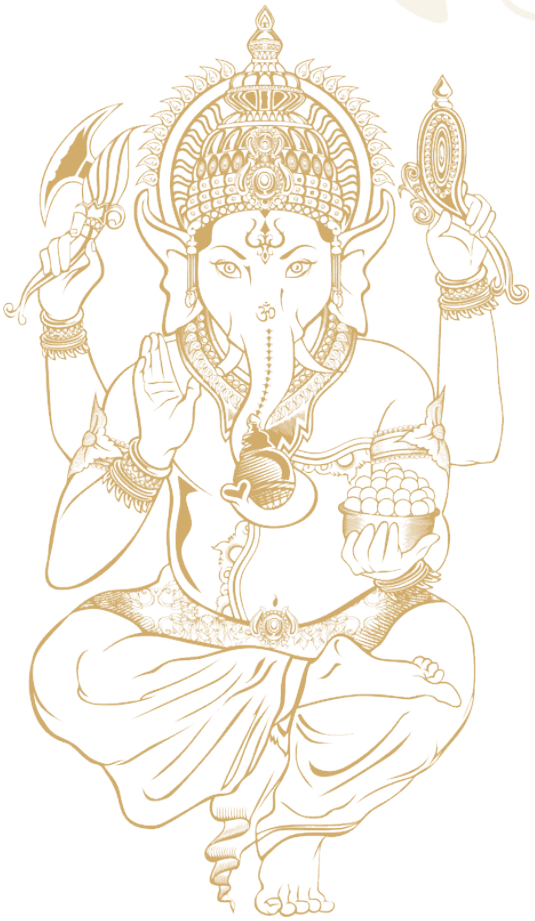

Sprash Charvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121492604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/11/1996	जन्म तिथि	28/06/1997
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:50:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 14:46:32	जन्म समय(घटी)	03:46:09 घटी
India	देश	India
Beawar	स्थान	Gorakhpur
26:02:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
74:02:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:33:52	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:23	सूर्योदय	05:05:31
17:43:13	सूर्यास्त	18:53:45
23:48:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 0वर्ष 2मा 22दि	29:39:32	मक	लग्न	कर्क	09:52:46	बुध 13वर्ष 1मा 29दि
शनि	03:25:53	वृश्चि	सूर्य	मिथु	12:35:32	शुक्र
10/02/2013	19:49:54	कुंभ	चंद्र	मीन	19:40:29	27/08/2017
11/02/2032	16:52:21	सिंह	मंगल	कन्या	10:08:10	27/08/2037
शनि 14/02/2016	13:18:29	वृश्चि	बुध	मिथु	15:22:31	शुक्र 26/12/2020
बुध 24/10/2018	22:11:59	धनु	गुरु व	मक	27:36:17	सूर्य 27/12/2021
केतु 03/12/2019	01:33:16	तुला	शुक्र	कर्क	05:19:25	चन्द्र 27/08/2023
शुक्र 01/02/2023	06:58:31	मीन व	शनि	मीन	25:31:56	मंगल 27/10/2024
सूर्य 14/01/2024	13:01:54	कन्या	राहु व	सिंह	29:15:38	राहु 27/10/2027
चन्द्र 15/08/2025	13:01:54	मीन	केतु व	कुंभ	29:15:38	गुरु 27/06/2030
मंगल 24/09/2026	07:30:29	मक	हर्ष व	मक	14:03:28	शनि 27/08/2033
राहु 30/07/2029	01:41:10	मक	नेप व	मक	05:21:15	बुध 27/06/2036
गुरु 11/02/2032	08:57:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:33:02	केतु 27/08/2037

लग्न-चलित

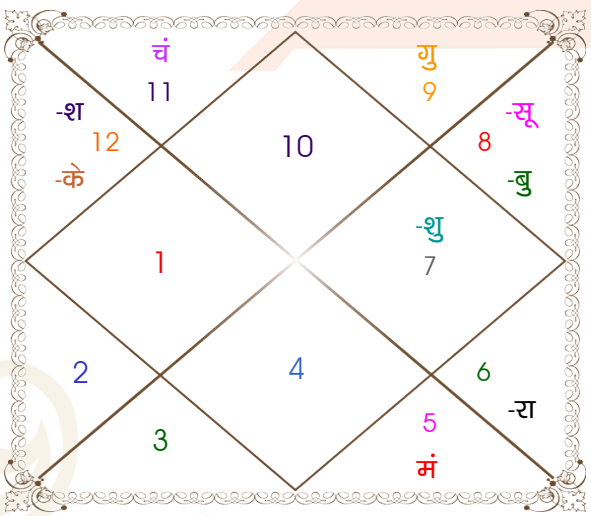

लग्न-चलित

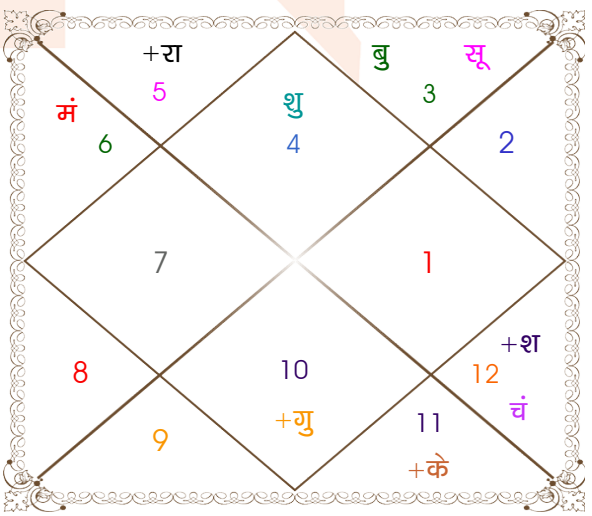

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ैचर्ती का वर्ग मेष है तथा बैंतअप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैचर्ती और बैंतअप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैचर्ती मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

बैंतअप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल बैंतअप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैचर्ती तथा बैंतअप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।